

ever, the question of treating every Post-Graduate Teacher, incharge of a particular activity as First Assistant, for purposes of administrative experience is under examination.

'New item captioned' ICP exchange Manufacture—selection or Rae Bareli I.T.I. Unit—still a mystery

7847. DR. A. U. AZMI: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item 'ICP exchange manufacture—selection of Rae Bareli ITI Unit still a mystery' appearing in the Financial Express, New Delhi dated the 14th March, 1981; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KARTIK ORAON): (a) and (b). The attention of Government has been drawn to the report in the Financial Express dated the 14th of March, 1981. The manufacture of ICP equipment in Rae Bareli Phase II was decided by Government after careful consideration of the recommendations of an expert inter-Ministerial Committee which went into the relative merits of the tenders received from three foreign manufacturers of crossbar equipment and a proposal received from ITI for manufacture of indigenously developed Indian Crossbar Project (ICP) equipment. On the basis of stabilisation of production of such equipment at Rae Bareli, the cost for conversion, and the optimum period of manufacture of crossbar equipment at Bangalore, the Ministry would be examining, in due course, the desirability of changing over the production of the Pentaconta type crossbar equipment in the Bangalore Unit of ITI also to the ICP & type. For

manufacture of ICP equipment, ITI will have only a limited collaboration with M/s. Bell Telephone Manufacturers (BTM). This will be in the form of deployment of experts for technical assistance in manufacture and for documentation. Raw-materials and component worth Rs. 6.2 crores as against the total annual production value of approximately Rs. 56 crores are expected to be imported after attainment of full capacity.

Admission of tribal students in central school chandragiri

7848. SHRI GIRDHAR GOMANGO: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Central School at Tibetan Resettlement at Chandragiri, Orissa stopped the admission of the local tribal students in the school;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the steps taken by his Ministry to revise the admission policy of local tribal students in the Central School; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (SHRI S. B. CHAVAN): (a) to (d). The Central Schools for Tibetans are established to cater to the educational needs of the children of Tibetan refugees in India. However, the Governing Body of the Central Tibetan schools Administration has decided to permit admission of Indian students to the extent of 10 per cent of the total enrolment in these schools. Since the limit of 10 per cent had already reached in Central School for Tibetans, Chandragiri, further admission of Indian children was stopped in this school.

For admission against the seats reserved for Indian students, no distinction is made between tribal and non-tribal students. Incidentally, 80 per cent of the Indian students admitted to Central School for Tibetans in July, 1980 are tribals.

बायो : गैस संयंत्र

7849. श्री प्रताप भानु शर्मा : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार ने 1980-81 में बायो-गैस के विकास और अनुसंधान के लिये क्या उपाय किये हैं ;

(ख) इस वर्ष कितने बायो-गैस पाइलट तथा वाणिज्यिक संयंत्र स्थापित किये गये हैं ; और

(ग) ये संयंत्र किन-किन स्थानों पर लगाये गये और उनके चयन में क्या प्रक्रिया अपनाई गई ?

कृषि और प्राचीन पुनर्निर्माण मंत्रालय में उपमन्त्री (कुमारी कमला कुमारी) :
(क) वर्ष 1980-81 के दौरान, जैव-गैस संयंत्रों की स्थापना करने का कार्यक्रम, संघ शासित क्षेत्रों को छोड़कर राज्य क्षेत्र का कार्यकलाप था। तथापि, वर्ष 1981-82 से केन्द्रीय सरकार पूरे देश में एक व्यापक जैव-गैस विकास कार्यक्रम शुरू कर रही है। जिसका ब्यौटा तयार किया जा रहा है।

अनुसन्धान के क्षेत्र में, वर्ष 1980-81 के दौरान डिजाइन में सुधार करने, विभिन्न प्रकार की चारा सामग्री का प्रयोग करने, कम तापमान में गैस का सृजन

करने, तथा संयंत्र के निर्माण के स्थानीय सामग्री का उपयोग करने के उद्देश्य से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की जैव-गैस प्रौद्योगिकी से सम्बन्धित अखिल भारतीय समन्वित परियोजना ने कार्य जारी रखा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के भी जैव-गैस से सम्बन्धित अपनी परियोजना जारी रखी। छोटी पंचवर्षीय योजना के दौरान भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् का यह कार्यक्रम ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों से सम्बन्धित परियोजना के रूप में पुनर्गठित किया जा रहा है जिसमें जैव-गैस प्रौद्योगिकी, सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा के पहलू भी शामिल होंगे।

(ख) और (ग) . वर्ष 1980-81 के दौरान, कोई वाणिज्यिक जैव-गैस संयंत्र स्थापित नहीं किया गया है। फिर भी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने, कृषि जनवायु संबंधी विभिन्न परिस्थितियों के अन्तर्गत प्रदर्शन एवं प्रायोगिक एककों के रूप में 21 सामुदायिक जैव गैस संयंत्रों को लगाने का काम शुरू किया है। इन संयंत्रों के स्थान, एक प्रारम्भिक सर्वेक्षण द्वारा एकत्र किए गए सामाजिक-प्राथमिक आंकड़ों के आधार पर निश्चित किये गये हैं। इन स्थानों की एक सूची विवरण में दी गयी है।

इसके अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ने, किसानों के अनुरोध पर, दिल्ली संघ शासित क्षेत्र के अर्लापुर ब्लॉक के होलम्बी कला गांव में एक सामुदायिक संयंत्र संस्थापित किया। गुजरात राज्य डेरी विकास निगम के लिए गुजरात कृषि उद्योग निगम द्वारा तैयार की गई सम्भाव्यता रिपोर्ट के आधार पर गांधीनगर जिले के खोगाज गांव में एक ग्रन्थ सीद्दायिक जैव-गैस संयंत्र निर्माणाधीन है।